

मेरी जान जाये वतन के लिए

ये धरती माँ है मेरी
के अलग ऐलान लिख देना
मेरी इस जिन्दगी पे
इसके है ऐहसान है लिख देना
ये किस का मकबरा है
दुनिया वाले जान जायेंगे
मेरी कब्र के पत्थर पर
हिन्दुस्तान लिख देना

बहे खून मेरा चमन के लिए
चमन के लिए...
मेरी जान जाये वतन के लिए

मेरा दिल जिगर और मेरी जान भी
मेरी जान भी
है कुर्बान कंधो चमन के लिए
मेरी जान जाये वतन के लिए

भरत राम की तरह करलो मिलाप
करलो मिलाप

हो इतना करम संघटन के लिए
मेरी जान जाये वतन के लिए

जो सरहद पे मुझको शहादत मिले
ना मैं हुस्न की अंजुमन चाहता हु
ना मैं यारी प्यारी दुल्हन चाहता हु
ना मैं चाँद जैसा ललन चाहता हु
ना मैं रोशनी की किरण चाहता हु
ना बस्ती ना सेहरा ना बन चाहता हु
ना मैं आलिशान भवन चाहता हु
ना मैं किमती पैरंहण चाहता हु
ना मैं पैसा गाड़ी ना धन चाहता हु
खुदा मैं तो ये ही चमन चाहता हु
यही धरती गम वो चमन चाहता हु

जो सरहद पे मुझको शहादत मिले
शहादत मिले ...
तिरंगा उढाना कफन के लिए
मेरी जान जाये वतन के लिए

बहे खून मेरा चमन के लिए
चमन के लिए...

मेरी जान जाये वतन के लिए

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/20268/title/meri-jaan-jaaye-vatan-ke-liye>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |